एम. ए. उत्तरार्द्ध संस्कृत परीक्षा 2020-21

प्रश्नपत्र कूट संख्या - 5171 NEW

प्रथम प्रश्न पत्र: काव्य, संस्कृतमूलक संस्कृति एवं निबंध

पाठ्यक्रम **100 अंक**

1. शिवराजविजय- (अंबिकादत्त व्यास) प्रथम विराम के प्रथम, द्वितीय निःश्वासमात्र
2. शिशुपालवध - (माघ) प्रथम सर्ग मात्र।
3. संस्कृतमूलक संस्कृति-इसके अंतर्गत निम्नलिखित विषयों का अध्ययन अपेक्षित है - सामाजिक तथा धार्मिक परिप्रेक्ष्य में वैदिक, रामायण व महाभारतकालीन, मौर्ययुगीन व गुप्तकालीन संस्कृति।
4. निबंध - इसके अन्तर्गत संस्कृत भाषा के माध्यम से पाँच विषयों में से एक विषय पर निबंध लिखना होगा। निबंध के विषय सामान्यतया निम्नलिखित क्षेत्रों से संबंधित होंगे -
   - वैदिक साहित्य
   - प्रमुख कवि एवं काव्य
   - संस्कृत भाषा
   - भारतीय संस्कृति
   - काव्यसिद्धान्त
   - षड्दर्शन (आत्मा, जगत्, मोक्ष)
5. संस्कृत काव्यसाहित्य-सर्वेक्षण -

समस्त पाठ्यक्रम तीन खंडों तथा पाँच इकाइयों में विभाजित किया गया है। इसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ

प्रथम इकाई	-	शिवराजविजय (प्रथम विराम के प्रथम, द्वितीय निःश्वासमात्र)
द्वितीय इकाई	-	शिशुपालवध (प्रथम सर्ग)
तृतीय इकाई	-	संस्कृतमूलकसंस्कृति
चतुर्थ इकाई	-	निबंध (संस्कृत भाषा में)
पंचम इकाई	-	संस्कृत काव्य साहित्य का सर्वेक्षण

Helpstudentpoint.com

पाठ्यक्रम का विस्तृत विवरण

प्रथम खंड

(वस्तुनिष्ठात्मक भाग) **20** अंक

इस खंड के अन्तर्गत विकल्परहित कुल दस अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। सभी प्रश्न समस्त इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे।

द्वितीय खंड

(व्याख्यात्मक भाग) **50** अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पाँच प्रश्न (अर्थात् व्याख्या) शतप्रतिशत विकल्पों के साथ पूछे जाएँगे। इनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग **250** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए **10** अंक निर्धारित हैं।

इनका पाठ्यक्रम के अनुसार विभाजन निम्नलिखित प्रकार से है -

(क) शिवराजविजय के (प्रथम विराम के प्रथम एवं द्वितीय निःश्वासों से) किसी एक अवतरण की विकल्पसहित सप्रसंग व्याख्या पूछी जाएगी। **10** अंक

(ख) शिशुपालवध के (प्रथम सर्ग) से किसी एक श्लोक की विकल्पसहित सप्रसंग संस्कृत व्याख्या पूछी जाएगी। **10** अंक

(ग) संस्कृतमूलक संस्कृति के निर्धारित पाठ्यक्रम के अन्तर्गत किसी एक विषय पर विकल्प देकर प्रश्न पूछा जाएगा। **10** अंक

(घ) निर्धारित विषयों के अन्तर्गत एक निबंध संस्कृत भाषा के माध्यम से लिखने के लिए कहा जाएगा। इसके लिए विकल्प सहित कुल पाँच विषय दिए जाएँगे एवं भारतीय संस्कृति, काव्यसिद्धान्त, षड्दर्शन (आत्मा, जगत्, मोक्ष आदि) **10** अंक

(ङ.) संस्कृत के प्रसिद्ध कवियों अथवा काव्यों में से किसी एक का परिचय विकल्प के साथ पूछा जाएगा। **10** अंक

तृतीय खंड

(निबंधात्मक भाग) **30** अंक

इस खंड के अंतर्गत दो प्रश्न (विकल्पों के साथ) पूछे जाएँगे। इनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। इनके लिए **15 - 15** अंक निर्धारित हैं।

उक्त खंड के प्रथम प्रश्न के अन्तर्गत निम्नलिखित बिन्दु आधारस्वरूप होंगे -

(**1**) शिवराजविजय के (निर्धारित पाठ्यक्रम के अन्तर्गत) मुख्य पात्रों का चरित्र चित्रण, शिवराजविजय की कथावस्तु की समालोचनात्मक समीक्षा, शिवराजविजय की भाषा शैली आदि। **15** अंक

Helpstudentpoint.com

(**2**) शिशुपालवध के (निर्धारित पाठ्यक्रम से सम्बद्ध) मुख्य पात्रों का चरित्र चित्रण, कथावस्तु की समालोचनात्मक समीक्षा, शिशुपालवध की भाषा-शैली, काव्य पक्ष आदि की विशेषताएँ आदि। **15** अंक

उक्त खंड के द्वितीय प्रश्न के अन्तर्गत निम्न बिन्दु आधारस्वरूप होंगे -

भारतीय संस्कृति की सामान्य रूपरेखा, भारतीय संस्कृति की सामान्य विशेषताएँ, भारतीय संस्कृति का महत्त्व, वैदिक काल, रामायण, महाभारतकाल, मौर्ययुग, गुप्त युग आदि की दृष्टि से संस्कृत काव्यों का परिचय एवं समीक्षा।

सहायक पुस्तकें -

1. अम्बिकादत्त व्यास - एक अध्ययन - कृष्णकुमार

2. संस्कृतकविदर्शन - भोलाशंकर व्यास

3. संस्कृत साहित्य का इतिहास - कीथ, अनु. मंगलदेव शास्त्री

4. महाकवि माघ - डॉ. मनमोहन शर्मा

5. ए हिस्ट्री ऑफ क्लासिकल संस्कृत लिटरेचर - एस. के. डे. एण्ड दासगुप्ता

******

Helpstudentpoint.com

एम. ए. उत्तरार्द्ध संस्कृत परीक्षा 2020-21

प्रश्नपत्र कूट संख्या - 5172 NEW

द्वितीय प्रश्न पत्र: काव्य (गद्य एवं पद्य)

पाठ्यक्रम **100 अंक**

1. कादम्बरी (कथामुख) - बाण
2. नैषधीयचरित (प्रथम सर्ग) - श्री हर्ष
3. विक्रमाङ्कदेवचरित (प्रथम संर्ग) - बिल्हण
4. कुमारसंभव (प्रथम सर्ग) - कालिदास
5. संस्कृत गद्य-पद्य-साहित्य-सर्वेक्षण

समस्त पाठ्यक्रम तीन खंडों तथा पाँच इकाइयों में विभाजित किया गया है। इसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ -

प्रथम इकाई	-	कादम्बरी (कथामुखपर्यन्त)
द्वितीय इकाई	-	नैषधीयचरित (प्रथम सर्ग मात्र)
तृतीय इकाई	-	विक्रमाङ्कदेवचरित (प्रथम सर्ग मात्र)
चतुर्थ इकाई	-	कुमारसंभव (प्रथम सर्ग)
पंचम इकाई	-	संस्कृत गद्य-पद्य-साहित्य का सर्वेक्षण

पाठ्यक्रम का विस्तृत विवरण

प्रथम खंड (वस्तुनिष्ठात्मक भाग) **20** अंक

इस खंड के अन्तर्गत विकल्परहित कुल दस अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। सभी प्रश्न समस्त इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे।

द्वितीय खंड

(व्याख्यात्मक भाग) **50** अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पाँच प्रश्न (अर्थात् व्याख्या) शतप्रतिशत विकल्पों के साथ पूछे जाएँगे। इनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग **250** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए **10** अंक निर्धारित हैं।

द्वितीय खंड

इनका पाठ्यक्रम के अनुसार विभाजन निम्नलिखित प्रकार से है -

Helpstudentpoint.com

(क) कादम्बरी (कथामुख भाग) से किसी एक अवतरण की सप्रसंग व्याख्या विकल्प सहित पूछी जाएगी। **10** अंक

(ख) नैषधीयचरित (प्रथम सर्ग) से एक श्लोक की विकल्पपूर्वक व्याख्या संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछी जाएगी । **10** अंक

(ग) विक्रमाङ्कदेवचरित (प्रथम सर्ग) से एक श्लोक की विकल्पपूर्वक सप्रसंग व्याख्या पूछी जाएगी। **10** अंक

(घ) कुमार संभव (प्रथम सर्ग) से किसी एक श्लोक की विकल्पपूर्वक सप्रसंग व्याख्या पूछी जाएगी। **10** अंक

(ङ.) संस्कृत -गद्य एवं पद्य साहित्य से किसी एक कवि या कृति पर सामान्य परिचयात्मक लेख लिखने के लिए कहा जाएगा। **10** अंक

तृतीय खंड

(निबंधात्मक भाग) **30** अंक

इस खंड के अंतर्गत दो प्रश्न (विकल्पों के साथ) पूछे जाएँगे। इनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। इनके लिए **15 - 15** अंक निर्धारित हैं।

उक्त खंड के प्रथम प्रश्न के अन्तर्गत निम्नलिखित बिन्दु आधारस्वरूप होंगे - **15** अंक

1. बाणभट्ट की भाषा शैली, बाणभट्ट का वैदुष्य, महत्त्व तथा गद्य-लेखकों में उनका स्थान, उनके गद्य की विशेषताएँ आदि। नैषधीयचरित का संस्कृत महाकाव्यों में स्थान, श्रीहर्ष के कृतित्व का मूल्यांकन आदि।

उक्त खंड के द्वितीय प्रश्न के अन्तर्गत निम्न बिन्दु आधारस्वरूप होंगे - **15** अंक

2. नाट्यशास्त्र में वर्णित रस-व्याख्या -

विक्रमाङ्कदेवचरित की काव्यात्मक विशेषताएँ, विक्रमांक की समीक्षा, बिल्हण की प्रतिभा आदि का मूल्यांकन, कालिदास के काव्य की विशेषताएँ, संस्कृत महाकाव्यों में उनका स्थान, कुमारसंभव में कवित्व, प्रकृतिचित्रण, संस्कृत साहित्य की प्रमुख कृतियों का समीक्षात्मक विवेचन।

सहायक पुस्तकें -

1. कादम्बरी - एक सांस्कृतिक अनुशीलन - वासुदेव शरण अग्रवाल

2. बाणभट्ट का साहित्यिक अनुशीलन - अमरनाथ पाण्डेय

3. बाणजयन्तिनिबन्धावली - सम्पादक डॉ. श्रीधर वासुदेव सोहनी

4. बाण - आर.डी. कर्मारकर

5. बाणभट्ट - ए लिटरेरी स्टडी - डॉ. नीता शर्मा

6. नैषधपरिशीलन - चण्डिकाप्रसाद शुक्ल

Helpstudentpoint.com

7. विक्रमांकदेवचरित का साहित्यिक सवेक्षण - डॉ. प्रियतमचन्द्र
8. संस्कृत साहित्य का इतिहास - कीथ अनु. मंगलदेव शास्त्री
9. ए हिस्ट्री आफ क्लासिकल संस्कृत लिट्रेचर - दे एवं दासगुप्ता
10. संस्कृत साहित्य का इतिहास - बलदेव उपाध्याय
11. संस्कृतवाङ्मय का विवेचनात्मक इतिहास - डॉ. सूर्यकान्त
12. संस्कृत महाकाव्य की परम्परा - डॉ. केशव मूलगांवकर
13. संस्कृतकविदर्शन - डॉ. भोलाशंकर व्यास
14. A Literary Study of the Naishadhiya Charita of Shriharsha - A.N. Jani
15. Historical Mahakavyas in Sanskrit - Chandra Prabha

****

Helpstudentpoint.com

एम. ए. उत्तरार्द्ध संस्कृत परीक्षा 2020-21

प्रश्नपत्र कूट संख्या - 5173 NEW

तृतीय प्रश्न पत्र : काव्य, नाटक एवं गद्य

पाठ्यक्रम - **100 अंक**

1. बुद्धचरितम् (प्रथम सर्ग)-अश्वघोष
2. रघुवंशम् (प्रथम सर्ग) कालिदास
2. रत्नावली- श्रीहर्ष
4. दशकुमारचरितम् (अष्टम उच्छ्वास)- दण्डी

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्ड तथा पाँच इकाइयों में विभक्त किया गया है । विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

खण्ड-अ 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत विकल्परहित कुल दस अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। सभी प्रश्न समस्त इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-ब 50 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ पूछी जाएँगी। इनमें से प्रत्येक इकाई से एक - कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में समाधेय हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-स 30 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पांच निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से किन्ही दो का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक के लिए **15** अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम की इकाइयां -

प्रथम इकाई	-	बुद्धचरितम् (प्रथम सर्ग)
द्वितीय इकाई	-	रघुवंशम् (प्रथम सर्ग)
तृतीय इकाई	-	रत्नावली-
चतुर्थ इकाई	-	दशकुमारचरितम् (अष्टम उच्छ्वास)
पंचम इकाई	-	संस्कृत महाकाव्य, नाटक एवं गद्य साहित्य का सर्वेक्षण

Helpstudentpoint.com

सहायक पुस्तके:-

1. बुद्धचरितम् (प्रथम सर्ग)-अश्वघोष
2 रघुवंशम् (प्रथम सर्ग) कालिदास
3. रत्नावली- श्रीहर्ष
4. दशकुमारचरितम् (अष्टम उच्छ्वास)- दण्डी
5. कालिदास ग्रन्थावली - पं. रेवा प्रसाद द्विवेदी
6. कालिदास ग्रन्थावली – पं.सीताराम चतुर्वेदी
7. संस्कृत साहित्य का इतिहास - पं. बलदेव उपाध्याय

Helpstudentpoint.com

एम. ए. उत्तरार्द्ध संस्कृत परीक्षा 2020-21

प्रश्नपत्र कूट संख्या- 5174 A

वर्ग-'अ'- साहित्य

चतुर्थ प्रश्न पत्र : साहित्य शास्त्र

पाठ्यक्रम **100 अंक**

1. काव्यप्रकाश (प्रथम से पंचम उल्लास तक, सप्तम उल्लास-रसदोष एवं अष्टम उल्लास)
2. वक्रोक्तिजीवित (प्रथम उन्मेष मात्र)
3. अलंकारशास्त्र के साहित्य का सर्वेक्षण

समस्त पाठ्यक्रम तीन खंडों तथा पाँच इकाइयों में विभाजित किया गया है। इसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ

प्रथम इकाई	-	काव्यप्रकाश 1, 2, 3 उल्लास
द्वितीय इकाई	-	काव्यप्रकाश 4, 5 उल्लास
तृतीय इकाई	-	काव्यप्रकाश 7, 8 उल्लास
चतुर्थ इकाई	-	वक्रोक्तिजीवित (कुन्तक) प्रथम उन्मेष मात्र
पंचम इकाई	-	अलंकारशास्त्र के साहित्य का सवेक्षण

प्रथम खंड

(वस्तुनिष्ठात्मक भाग) **20** अंक

इस खंड के अन्तर्गत विकल्परहित कुल दस अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। ये पाठ्यक्रम पर आधारित होंगे तथा समस्त इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे।

द्वितीय खंड

(व्याख्यात्मक भाग) **50 अंक**

Helpstudentpoint.com

इस खंड के अन्तर्गत कुल पाँच प्रश्न (अर्थात् व्याख्या) शतप्रतिशत विकल्पों के साथ पूछे जाएँगे। इनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग **250** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए **10** अंक निर्धारित हैं।

इनका पाठ्यक्रम के अनुसार विभाजन निम्नलिखित प्रकार से है -

(क) काव्यप्रकाश के प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय उल्लासों में से किसी एक कारिका की सप्रसंग व्याख्या विकल्प सहित पूछी जाएगी। **10** अंक

(ख) काव्यप्रकाश के चतुर्थ, पंचम उल्लासों में से किसी एक कारिका की सप्रसंग व्याख्या विकल्प सहित पूछी जाएगी। **10** अंक

(ग) काव्यप्रकाश के सप्तम उल्लास निर्धारित अंश तथा अष्टम उल्लासों में से किसी एक कारिका की सप्रसंग व्याख्या विकल्प सहित पूछी जाएगी। **10** अंक

(घ) वक्रोक्तिजीवित के प्रथम उन्मेष से किसी एक कारिका की सप्रसंग व्याख्या विकल्प सहित पूछी जाएगी। **10** अंक

(ङ.) काव्यशास्त्र के किसी एक ग्रन्थ अथवा आचार्य का सामान्य परिचय विकल्प सहित पूछा जाएगा। **10** अंक

तृतीय खंड

(निबंधात्मक भाग) **30** अंक

इस खंड के अंतर्गत दो प्रश्न (विकल्पों के साथ) पूछे जाएँगे। इनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। इनके लिए **15-15** अंक निर्धारित हैं।

उक्त खंड के प्रथम प्रश्न के अन्तर्गत निम्नलिखित बिन्दु आधारस्वरूप होंगे - **15 अंक**

(1) काव्यप्रकाश में विवेचित विषयवस्तु-काव्यप्रयोजन, काव्य हेतु, काव्य लक्षण, लक्षणा, व्यंजना, ध्वनि का स्वरूप, ध्वनिभेद, गुणीभूतव्यंग्य, रस, गुण आदि। काव्यप्रकाश की सामान्य समालोचना, मम्मट का योगदान, काव्यप्रकाश का महत्त्व।

उक्त खंड के द्वितीय प्रश्न के अन्तर्गत निम्न बिन्दु आधारस्वरूप होंगे - **15 अंक**

(2) वक्रोक्तिजीवित का महत्त्व, वक्रोक्तिजीवितकार का योगदान, परिचय, वक्रोक्तिजीवित की विषयवस्तु, काव्यशास्त्र के विभिन्न समुदाय के प्रमुख आचार्यों अथवा ग्रन्थों का मूल्यांकन।

सहायक पुस्तकें -

1. काव्यप्रकाश (बालबोधिनी टीका) - वामनाचार्य झलकीकर
2. ध्वन्यालोक (लोचन एवं बालप्रिया टीका सहित) सम्पा. पं. पट्टाभिराम शास्त्री
3. ध्वन्यालोक: हिन्दी व्याख्या - आचार्य विश्वेश्वर

Helpstudentpoint.com

4. आनन्दवर्धन - डॉ. रेवाप्रसाद द्विवेदी
5. भारतीय साहित्यशास्त्र - जी.टी.देशपाण्डे
6. भारतीय साहित्यशास्त्र भाग-**1**, **2** पं. बलदेव उपाध्याय

Helpstudentpoint.com

एम. ए. उत्तरार्द्ध संस्कृत परीक्षा 2020-21

प्रश्नपत्र कूट संख्या - 5191 A

वर्ग 'अ'-साहित्य

पञ्चम प्रश्न पत्र : नाटक एवं नाट्यशास्त्र

पाठ्यक्रम **100 अंक**

1. उत्तररामचरित - भवभूति
2. नाट्यशास्त्र - (षष्ठ अध्याय मात्र) - भरतमुनि
3. दशरूपक - (प्रथम तथा द्वितीय प्रकाश मात्र) धनंजय
4. नाटक एवं नाट्यशास्त्र के साहित्य का सर्वेक्षण।

समस्त पाठ्यक्रम तीन खंडों तथा पाँच इकाइयों में विभाजित किया गया है। इसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ

प्रथम इकाई - उत्तररामचरित नाटक (भवभूति) **1-3** अंक

द्वितीय इकाई - उत्तररामचरित (भवभूति)

तृतीय इकाई - नाट्यशास्त्र (भरतमुनि) अभिनवभारती सहित। षष्ठ अध्याय

चतुर्थ इकाई - दशरूपक (धनंजय) प्रथम - द्वितीय प्रकाश मात्र

पंचम इकाई - नाटक एवं नाट्यशास्त्र के साहित्य का सर्वेक्षण

पाठ्यक्रम का विस्तृत विवरण

प्रथम खंड (वस्तुनिष्ठात्मक भाग) **20** अंक

इस खंड के अन्तर्गत विकल्परहित कुल दस अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। ये पाठ्यक्रम पर आधारित होंगे तथा समस्त इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे।

द्वितीय खंड

(व्याख्यात्मक भाग) **50** अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पाँच प्रश्न (अर्थात् व्याख्या) शतप्रतिशत विकल्पों के साथ पूछे जाएँगे। इनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग **250** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।

Helpstudentpoint.com

इनका पाठ्यक्रम के अनुसार विभाजन निम्नलिखित प्रकार से है -

(क) उत्तररामचरित के प्रथम तीन अंकों में से किसी एक श्लोक की सप्रसंग व्याख्या विकल्प सहित पूछी जाएगी। **10** अंक

(ख) उत्तररामचरित के **4** से **7** अंकों में से किसी एक श्लोक की विकल्पपूर्वक व्याख्या संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछी जाएगी । **10** अंक

(ग) नाट्यशास्त्र के षष्ठ अध्याय में से किसी एक कारिका की विकल्पसहित व्याख्या पूछी जाएगी। **10** अंक

(घ) दशरूपक के प्रथम तथा द्वितीय प्रकाश में से किसी एक कारिका की विकल्पपूर्वक व्याख्या पूछी जाएगी। **10** अंक

(ङ.) संस्कृत नाटकों में से किसी एक का परिचय विकल्प के साथ पूछा जाएगा। **10** अंक

तृतीय खंड

(निबंधात्मक भाग) **30** अंक

इस खंड के अंतर्गत दो प्रश्न (विकल्पों के साथ) पूछे जाएँगे। इनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। इनके लिए **15 - 15** अंक निर्धारित हैं।

उक्त खंड के प्रथम प्रश्न के अन्तर्गत निम्नलिखित बिन्दु आधारस्वरूप होंगे - **15** अंक

1. उत्तररामचरित नाटक की सामान्य समीक्षा, भवभूति की नाटककार की दृष्टि से समालोचना, उत्तररामचरित नाटक के पात्रों का चरित्र-चित्रण।

उक्त खंड के द्वितीय प्रश्न के अन्तर्गत निम्न बिन्दु आधारस्वरूप होंगे - **15** अंक

2. नाट्यशास्त्र में वर्णित रस-व्याख्या -

रससूत्र के विभिन्न व्याख्याकारों (लोल्लट, शंकुक, नायक, अभिनवगुप्त) की समालोचना।

दशरूपक के प्रथम तथा द्वितीय प्रकाश में वर्णित विषय-सामग्री का सामान्य विवेचन।

सहायक पुस्तकें -

1. हिन्दी अभिनवभारती - आचार्य विश्वेश्वर

2. नाट्यशास्त्र - सम्पादक एवं व्याख्या श्री बाबूलाल शुक्ल, काशी हिन्दू वि.वि., वाराणसी

3. भरत और भारतीय नाट्यकला - सुरेन्द्र दीक्षित

4. भवभूति और उनकी नाट्यकला - डॉ. अयोध्याप्रसाद सिंह

5. महाकवि भवभूति - गंगासागर राय

Helpstudentpoint.com

6. भवभूति के नाटक - डॉ. ब्रजवल्लभ शर्मा
7. दशरूपक (धनंजय) - भोलाशंकर व्यास
8. दशरूपक - सम्पादक डॉ. रामजी उपाध्याय
9. दशरूपक - सम्पादक रमाशंकर त्रिपाठी
10. दशरूपक - सम्पादक बैजनाथ पाण्डेय, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
11. भवभूति - वी.वी. मीराशी
12. भवभूति - आर.डी. करमारकर
13. Observations on the life & work of Bhavabhuti - R.G.Harshe
14. संस्कृत नाटक: कीथ, ए.बी., अनुवादक उदयभानुसिंह
15. Law & Practice of Sanskrit Drama by : S.N.Shastri
16. The Classical Drama of India, Henery W.wells
17. Uttararamacharita Ed. P.V. Kane

******

Helpstudentpoint.com

एम. ए. उत्तरार्द्ध संस्कृत परीक्षा 2020-21

प्रश्नपत्र कूट संख्या - 5174 B

वर्ग - 'ब'- दर्शन

चतुर्थ प्रश्न पत्र : वेदान्त तथा मीमांसा दर्शन

पाठ्यक्रम **100 अंक**

1. ब्रह्मसूत्र शांकरभाष्य: प्रथम अध्याय प्रथम पाद के **1-4** सूत्र
2. द्वितीय अध्याय - द्वितीयपादमात्र
3. अर्थसंग्रह "लोगाक्षि भास्कर"

समस्त पाठ्यक्रम तीन खंडों तथा पाँच इकाइयों में विभाजित किया गया है। इसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ -

प्रथम इकाई - ब्रह्मसूत्र शांकरभाष्य प्रथम अध्याय, प्रथमपाद के **1-4** सूत्र

द्वितीय इकाई - ब्रह्मसूत्र शांकरभाष्य द्वितीय अध्याय, द्वितीय पाद के **1-27** सूत्र

तृतीय इकाई - ब्रह्मसूत्र शांकरभाष्य-द्वितीय अध्याय, द्वितीय पाद के **28-45** सूत्र

चतुर्थ इकाई - अर्थसंग्रह "लौगाक्षि भास्कर" प्रारंभ से विधिभाग पर्यन्त

पंचम इकाई - अर्थसंग्रह - मन्त्र, नामधेय, निषेध एवं अर्थवाद

Helpstudentpoint.com

पाठ्यक्रम का विस्तृत विवरण

प्रथम खंड (वस्तुनिष्ठात्मक भाग) **20** अंक

इस खंड के अन्तर्गत विकल्परहित कुल दस अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। ये पाठ्यक्रम पर आधारित होंगे तथा समस्त इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे।

द्वितीय खंड

(व्याख्यात्मक भाग) **50** अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पाँच प्रश्न (अर्थात् व्याख्या) शतप्रतिशत विकल्पों के साथ पूछे जाएँगे। इनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग **250** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए **10** अंक निर्धारित हैं।

इनका पाठ्यक्रम के अनुसार विभाजन निम्नलिखित प्रकार से है -

(क) ब्रह्मसूत्र शांकरभाष्य के **1-4** सूत्रों के सूत्र अथवा भाष्य के रूप में दो व्याख्येय अंश देकर किसी एक की संस्कृत में व्याख्या पूछी जाएगी। **10** अंक

(ख) ब्रह्मसूत्र शांकरभाष्य, द्वितीय अध्याय के द्वितीय पाद के **1-27** सूत्रों में से दो सूत्र देकर किसी एक सूत्र की शंकर भाष्य के आलोक में व्याख्या पूछी जाएगी। **10** अंक

(ग) ब्रह्मसूत्र शांकरभाष्य, द्वितीय अध्याय के द्वितीय पाद के **28-45** सूत्रों में से दो सूत्र देकर किसी एक सूत्र की शांकरभाष्य के आलोक में व्याख्या पूछी जाएगी । **10** अंक

(घ) अर्थसंग्रह (लौगाक्षिभास्कर) में से कोई दो व्याख्येय अंश देकर किसी एक की व्याख्या पूछी जाएगी। **10** अंक

(ङ.) अर्थसंग्रह में विवेचित विषयों में से कोई दो विषय देकर एक का विवेचन पूछा जाएगा। **10** अंक

तृतीय खंड

(निबंधात्मक भाग) **30** अंक

इस खंड के अंतर्गत दो प्रश्न (विकल्पों के साथ) पूछे जाएँगे। इनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। इनके लिए **15 - 15** अंक निर्धारित हैं।

उक्त खंड के प्रथम प्रश्न के अन्तर्गत निम्नलिखित बिन्दु आधारस्वरूप होंगे - **15** अंक

1. ब्रह्मसूत्र शांकरभाष्य के प्रथम अध्याय के प्रथमपाद के **1-4** सूत्र में विवेचित विषयवस्तु से सम्बन्धित दो प्रश्न देकर एक का उत्तर पूछा जाएगा।

उक्त खंड के द्वितीय प्रश्न के अन्तर्गत निम्न बिन्दु आधारस्वरूप होंगे - **15** अंक

2. ब्रह्मसूत्र शांकरभाष्य द्वितीय अध्याय के द्वितीय पाद में विवेचित विषयवस्तु से सम्बन्धित दो प्रश्न देकर एक का उत्तर पूछा जाएगा। इस प्रश्न के अन्तर्गत निम्नबिन्दु आधारस्वरूप होंगे -

शांकर वेदान्त की दृष्टि से सांख्य, कणाद (वैशैषिकमत), बौद्ध-सर्वास्तिवाद एवं वैनाशिक विज्ञानवादी, आर्हत (जैन), तटस्थ ईश्वर कारणवादी (तार्किक) मतों का खण्डन।

सहायक पुस्तकें -

1. ब्रह्मसूत्र शांकर भाष्य - व्या. स्वामी योगीन्द्रानन्द

2. ब्रह्मसूत्र शांकर भाष्य - व्या. स्वामी सत्यानन्द

3. ब्रह्मसूत्र शांकर भाष्य (चतु. सूत्री) - व्या. आचार्य विश्वेश्वर

4. सिद्धान्तबिन्दु - डॉ. बाबूलाल शर्मा

Helpstudentpoint.com

5. अद्वैतवेदान्त - डॉ. राममूर्ति शर्मा
6. शांकरोत्तरवेदान्त में मिथ्यात्वनिरूपण - डॉ. अभेदानन्द
7. अद्वैत एवं द्वैताद्वैत तत्त्वमीमांसा - डॉ. अभेदानन्द
8. Philosophy of Advaita - T.M.P. Mahadevan
9. Advaita Vedanta - M.K. Venkata Ram Ayer
10. Indian Idealism - S.N.Das Gupta
11. मीमांसादर्शन - वाचस्पति उपाध्याय
12. भारतीयदर्शन - प्रथम एवं द्वितीय भाग - डॉ. एस.एन. दासगुप्ता
13. भारतीयदर्शन - प्रथम एवं द्वितीय भाग - डॉ. राधाकृष्णन्
14. भारतीयदर्शन - सम्पादक डॉ. एन.के. देवराज

*****

Helpstudentpoint.com

एम. ए. उत्तरार्द्ध संस्कृत परीक्षा 2020-21

प्रश्नपत्र कूट संख्या -5191 B

वर्ग - 'ब' (दर्शन)

पञ्चम प्रश्न पत्र : सांख्य एवं योगदर्शन

पाठ्यक्रम 100 अंक

1. सांख्यकारिका (तत्त्वकौमुदी सहित) प्रारम्भिक 30 कारिकाएँ मात्र।
2. योगसूत्र - पतंजलि (भोजवृत्ति सहित) प्रथम दो पाद मात्र।

समस्त पाठ्यक्रम तीन खंडों तथा पाँच इकाइयों में विभाजित किया गया है। इसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ -

प्रथम इकाई	-	सांख्यकारिका 1 से 10 कारिका
द्वितीय इकाई	-	सांख्यकारिका 11 से 20 कारिका
तृतीय इकाई	-	सांख्यकारिका 21 से 30 कारिका
चतुर्थ इकाई	-	योगसूत्र - प्रथम (समाधि) पाद
पंचम इकाई	-	योगसूत्र - द्वितीय (साधन) पाद

पाठ्यक्रम का विस्तृत विवरण

प्रथम खंड (वस्तुनिष्ठात्मक भाग) 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत विकल्परहित कुल दस अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। ये पाठ्यक्रम पर आधारित होंगे तथा समस्त इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे।

द्वितीय खंड

(व्याख्यात्मक भाग) 50 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पाँच प्रश्न (अर्थात् व्याख्या) शतप्रतिशत विकल्पों के साथ पूछे जाएँगे। इनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग 250 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।

इनका पाठ्यक्रम के अनुसार विभाजन निम्नलिखित प्रकार से है -

(क) सांख्यकारिका की 1-10 कारिका में से दो कारिका देकर एक कारिका की व्याख्या पूछी जाएगी। 10 अंक

Helpstudentpoint.com

(ख) सांख्यकारिका की **11** से **20** तक की कारिका में से दो कारिका देकर एक की व्याख्या पूछी जाएगी। **10** अंक

(ग) सांख्यकारिका **21** से **30** कारिका में से दो कारिका देकर एक की संस्कृत व्याख्या पूछी जाएगी। **10** अंक

(घ) योगसूत्र के प्रथम पाद से दो सूत्र देकर एक की व्याख्या पूछी जाएगी। **10** अंक

(ङ.) योगसूत्र के द्वितीय पाद से दो सूत्र देकर एक की व्याख्या पूछी जाएगी। **10** अंक

तृतीय खंड

(निबंधात्मक भाग) **30** अंक

इस खंड के अंतर्गत दो प्रश्न (विकल्पों के साथ) पूछे जाएँगे। इनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। इनके लिए **15 - 15** अंक निर्धारित हैं।

1. उक्त त खंड के प्रथम प्रश्न के अन्तर्गत सांख्यकारिका की **1-30** कारिका में विवेचित विषयवस्तु से संबंधित दो प्रश्न देकर एक का उत्तर पूछा जाएगा। **15** अंक

2. उक्त खण्ड के द्वितीय प्रश्न के अन्तर्गत योगसूत्र के प्रथम और द्वितीय पादों में वर्णित विषय से संबंधित दो प्रश्न देकर एक का उत्तर पूछा जाएगा। इस प्रश्न के अन्तर्गत निम्नलिखित बिन्दु आधारस्वरूप होंगे -

योग का स्वरूप, चित्त का स्वरूप एवं वृत्तियाँ, चित्त की भूमियाँ, चित्त की अवस्थाएँ, चित्त-निरोध के उपाय, समाधि, समाधि के भेद-प्रभेद, चित्त के अन्तराय, ईश्वर का लक्षण, चित्त एकाग्र करने के उपाय, अष्टांगयोग, चित्त की एकाग्रता से होने वाले लाभ। **15** अंक

सहायक पुस्तकें -

1. सांख्यतत्त्वकौमुदी - डॉ. आद्याप्रसाद मिश्र
2. सांख्यकारिका - शिवनारायण शास्त्री
3. सांख्यसिद्धान्त - उदयवीर शास्त्री
4. सांख्यतत्त्वकौमुदी - डॉ. रमाशंकर त्रिपाठी

Helpstudentpoint.com